दिल्ली, एन.सी.आर. व सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक लोकप्रिय मासिक

उद्योग विहार

निष्पक्ष मासिक समाचार पत्र

Regd. No.-UPHIN/2004/15489 www.uvindianews.com प्रधान सम्पादक: सत्येन्द्र सिंह

वर्ष : 16 | अंक : 8 | गाजियाबाद, अगस्त, 2020 | मूल्य : 4 रूपया | पृष्ठ : 04 | E-mail : udyogviharnp@gmail.com

सुदीक्षा भाटी मौत मामला... P-4

कोरोना लाइव

2,464,316	1,752,829	48,177	21,092,417
मामले (भारत)	मरीज ठीक हुए	कुल मौतें	मामले (दुनिया)

कोरोना वैक्सीन लॉन्च : रूस का दावा दो सालों तक छू नहीं सकेगा वायरस

नई दिल्ली। दुनियाभर में फैली कोरोना वायरस महामारी के लिए रूस ने श्स्पूतनिक वीश नामक वैक्सीन बनाई है। राष्ट्रपति पुतिन ने दावा किया है कि यह दवा पूरी तरह से सुरक्षित है और असरदार है। हालांकि, दुनिया के कई एक्सपर्ट्स इसके पूरी तरह से सुरक्षित होने के दावे पर सवाल खड़े कर रहे हैं। अब रूस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने वैक्सीन को लेकर नया दावा किया है।

रूस के शीर्ष अधिकारी ने कहा कि कोरोना वैक्सीन स्पूतनिक वी कम से कम दो सालों तक कोरोना वायरस से सुरक्षा प्रदान करेगी। रूसी न्यूज एजेंसी टीएसएसएस के अनुसार, गामालेया अनुसंधान केंद्र के निदेशक अलेक्जेंडर गिंट्सबर्ग ने कहा रूस की कोरोना वैक्सीन का असर सिर्फ छह महीने या सालभर तक के लिए नहीं होगा, बल्कि यह दो साल तक असर करेगी और वायरस को दूर रखेगी। अलेक्जेंडर गिंट्सबर्ग गामालेया अनुसंधान केंद्र और एपिडेमियोलॉजी एंड

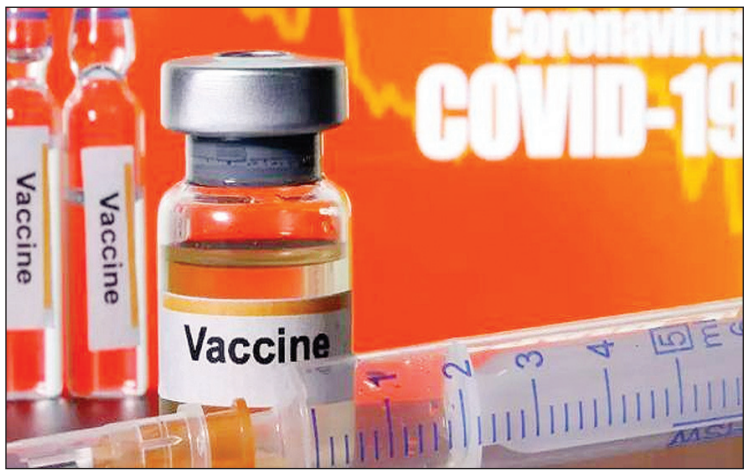

माइक्रोबायोलॉजी के निदेशक हैं। यह वही संस्थान है, जिसने कोरोना वायरस की वैक्सीन को विकसित किया है। रूस के स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि दुनिया की पहली कोरोना वैक्सीन का पहला बैच दो सप्ताह के अंदर ही आ जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री मिखाइल मुराशको ने कहा, कोरोनो वायरस संक्रमण के खिलाफ वैक्सीन के पहले पैकेजेस अगले दो सप्ताह के भीतर प्राप्त हो जाएंगे।

वहीं, रूस की कोरोना वैक्सीन पर दुनिया के कई देशों के एक्सपर्ट्स सवाल उठा रहे हैं। पिछले सप्ताह जहां डब्लूएचओ ने वैक्सीन की जल्दबाजी को लेकर आगाह किया था, वहीं अमे. रिका के शीर्ष स्वास्थ्य विशेषज्ञ एंथोनी फॉसी ने वैक्सीन को लेकर रूस और चीन दोनों के ऊपर सही प्रक्रिया का पालन करने पर संदेह जताया। विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि संगठन अतिरिक्त जानकारी प्राप्त करने के लिए रूस के साथ संपर्क में है।

'अन्य देशों को भी उपलब्ध कराई जाएगी वैक्सीन'

इससे पहले, रूसी स्वास्थ्य मंत्री मिखाइल मुराशकों ने कहा कि कोविड–19 के खिलाफ विकसित की गई वैक्सीन निश्चित रूप से कारगर है और यह अन्य देशों को भी उपलब्ध कराई जाएगी, लेकिन घरेलू स्तर पर इसकी मांग को ध्यान में रखकर आपूर्ति करना हमारी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, 'मैं समझता हूं कि हमारे विदेशी साथी वैक्सीन विकसित करने में मामले में प्रतिस्पर्धा महसूस कर रहे हैं इसलिए उन्होंने ऐसे विचार व्यक्त किए हैं जिन्हें हम आधारहीन मानते हैं। रूस ने वैक्सीन का विकास निश्चित क्लीनिकल जानकारी और डाटा को ध्यान में रखकर किया है।'

बच्चे के बौद्धिक विकास के लिए जरूरी है मां का दूध

गाजियाबाद। मां का दूध बच्चे के बौद्धिक विकास के लिए बहुत जरूरी है। इतना ही नहीं स्तनपान करने वाले शिशु को दस्त और निमोनिया के अलावा कान व गले के संक्रमण का खतरा भी काफी हद तक कम हो जाता है। जिला महिला अस्पताल की सीएमएस डॉ. दीपा त्यागी का कहना है, मां के दूध का कोई विकल्प नहीं है, यह बेजोड़ है। भ्रांतियों पर विश्वास न करके बच्चे को जन्म के तुरंत बाद मां का पहला पीला गाढ़ा दूध (कोलोस्ट्रम) अवश्य पिलाएं। यह बच्चे के लिए टीके का काम करता है और उसकी तमाम बीमारियों से रक्षा करता है। बच्चे को शहद, घुट्टी या अन्य कोई चीज देने की कतई जरूरत है। बल्कि कहा जाए तो ऐसा करने की सख्त मनाही है।

स्तनपान के दौरान शिशु को अपनी मां की त्वचा के संपर्क में रहने से तापमान बनाए रखने में मदद मिलती है। आजकल मां के कोविड-19 के चलते, या फिर किसी अन्य बीमारी से ग्रस्त होने पर यदि मां बच्चे को अपने शरीर से लगाकर नहीं रख सकती तो परिवार के किसी अन्य सदस्य को ऐसा करना चाहिए। फिर भी मां जरूरी सावधानियां बरतते हुए स्तनपान अवश्य कराएं। यहां तक कि कोविड-19 से ग्रस्त होने पर भी स्तनपान सुरक्षित और जरूरी है।

वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत लगे पौधों का प्रवर्तन डिवीजन के अभियंता करेंगे सत्यापन

–उद्योग विहार (अगस्त 2020)–

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण जीडीए उपाध्यक्ष कंचन वर्मा ने उधान विभाग के अधीनस्थ अधिकारियों को आदेश दिए है कि वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत लगाए गए पौधों आदि का सत्यापन प्रवर्तन तथा अभियंत्रण विभाग के संबंधित क्षेत्रीय अभियंताओं से कराया जाए। इस बीच जिन क्षेत्रों में खामी पायी जाए, उसे समय रहते दूर करते हुए अवगत कराया जाए। इसके साथ साथ प्राइवेट बिल्डरों के द्वारा किए गए वृक्षारोपण का भी सत्यापन करने के आदेश दिए है।

जीडीए उपाध्यक्ष ने यूपी गेट के सौंदर्यकरण तथा करहेडा रोटरी पर फलैक्स बोर्ड पर अंकित स्लोगन को रेनोवेट कर नए स्लोगन लगाने के भी आदेश दिए। ये भी हिदायत दी कि एलीवेटेड रोड पर लगे गमलों को तत्काल हटवाते हुए नए गमले एवं अलग अलग तरह के पौधे लगाए जाए।

प्राधिकरण कार्यालय परिसर में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान प्राधिकरण उपाध्यक्ष ने उधान विभाग के अधीनस्थ अधिकारियों पर शिकंजा कसते हुए कहा कि मिटटी आपूर्ति, ठेके पर मजूदर रखने एवं पौधे खरीद आदि से संबंधित अलग अलग पफाइलें तैयार करने के बजाय एक अलग से फाइल तैयार करते हुए प्रस्तुत की जाए।

ये भी स्पष्ट किया गया कि ग्रीन बेल्ट पार्क आदि के रखरखाव का काम तीन साल से कम अवधि के लिए न दिया जाए। ये भी हिदायत दी गई कि उधान विभाग से पंजीकृत ठेकेदारों के अतिरिक्त नई ठेकेदार फर्मों को भी मौका दिया जाए, ताकि दूसरे ठेकेदारों के आगे आने से बेहतर कार्य हो सकें। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया में केवल उधान विभाग से पंजीकरण से संबंधित शर्त हटायी जाए।

पीएम मोदी ने अयोध्या में रखी श्री राम मंदिर की नींव

–उद्योग विहार (अगस्त 2020)–

नई दिल्ली। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का सपना आज सच हो गया। बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विधि विधान के साथ मंदिर की नींव रखी। पीएम मोदी ने अपने ऐतिहासिक दौरे की शुरूआत हनुमानगढी के दर्शन कर की। जिसके बाद उन्होने श्रीरामजन्म भूमि पर विराजमान रामलला के दर्शन किए और आरती उतारी। प्रधानमंत्री मोदी भारतीय पारंपरिक पोशाक हल्के पीले रंग का कुर्ता, सफेद धोती और भगवा रंग के गमझे में थे। काशी के प्रकांड तीन विद्धानों ने भूमि पूजन का अनुष्ठान शुरू किया।

पीएम मोदी को यजमान के तौर पर संकल्प दिलाया गया और गणेश पूजन के साथ भूमि पूजन का कार्यक्रम शुरू हो गया। इस मौके पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राष्ट्रीय स्वयं सेवक प्रमुख मोहन भागवत मौजूद थे। पुरोहितों ने प्रधानमंत्री से विधिवत पूजा अर्चना कराई। इस दौरान चांदी की नौ शिलाओं का पूजन किया गया। करीब

12 बजे शुरू हुआ भूमि पूजन कार्यक्रम करीब 48 मिनट चला।

अभिजीत मुहुर्त में भूमि पूजन और शिला पूजन सम्पन्न होने के बाद श्री मोदी ने साक्षात दंडवत कर देश की तरक्की और कोरोना के नाश का वरदान प्रभु श्रीराम से मांगा। भूमि पूजन कार्यक्रम के बाद हर हर महादेव, जय श्रीराम और भारत माता की जय के नारे लगाये गए। अयोध्या में तय समय के अनुसार प्रधानमंत्री का हेलीकाप्टर साकेत डिग्री कालेज में बने अस्थायी हैलीपेड पर उतरा जहां पहले से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनकी आगवानी के लिये मौजूद थे। प्रधानमंत्री ने कोरोना संक्रमण के लिये तय गाइडलाइन का पूरा पालन किया। वह मास्क लगाये हुये थे।

MINIMUM WAGES IN DIFFERENT STATES

	U.P MINUMUM WAGES GENERAL/ENGINEERING			DELHI MINIMUM WAGES	RAJASTHAN MINIMUM WAGES	GUJRAT MINIMUM WAGES		PUNJAB MINIMUMWAGES	HARYANA MINIMUMWAGES	UTTARAKHAND MINIMUMWAGES
	U.P. GENERAL	U.P. ENGG. BELOW 500	U.P. ENGG. ABOVE 500	MINIMUM WAGES	MINIMUM WAGES	MINIMUM WAGES		MINIMUMWAGES	MINIMUMWAGES	MINIMUMWAGES
	W.E.F.	W.E.F.	W.E.F.	W.E.F.	W.E.F.	W.E.F.		W.E.F.	W.E.F.	W.E.F.
	01/04/20 TO 30/09/2020	01/02/20 TO 31/07/2020	01/02/20 TO 31/07/2020	10/1/2018	5/1/2019	01/10/2019 TO 31/03/2020		1/3/2019	1/7/2019	01-10-2018 TO 31-03-2019
CATEGORY OF WORKERS	BASIC +DA	BASIC +DA	BASIC +DA	BASIC+DA	BASIC+DA	ZONE-I	BASIC+DA ZONE-II	BASIC+DA	BASIC+DA	BASIC+DA
UN SKILLED	8625.00	10086.03	10574.06	14842.00	5850.00	8278.40	8070.40	8776.83	9024.24	8331.00
SEMISKILLED	9487.50	11075.65	11631.46	16341.00	6162.00	8486.40	8278.40	9556.83	*	8924.00
SEMISKILLED-A	*	*	*	*	*	*	*	*	9475.43	*
SEMISKILLED-B	*	*	*	*	*	*	*	*	9949.19	*
SKILLED	10627.50	12295.73	12688.87	17991.00	6474.00	8720.40	8486.40	10453.83	*	9518.00
SKILLED A	*	*	*	*	*	*	*	*	10446.65	*
SKILLED B	*	*	*	*	*	*	*	*	10969	*
HIGHLY SKILLED	*	*	*	*	7774.00	*	*	11485.83	11517.45	*

अफसरों को सरकारी अस्पतालों के इलाज पर भरोसा नहीं

–उद्योग विहार (अगस्त 2020)– **गाजियाबाद**। बाते बड़ी बड़ी लेकिन यदि धरातल पर देखा जाये वास्तविकता ठीक इसके विपरित है। जी है सरकार और अफसर बातें तो कर रहे है कि सरकारी अस्पतालों को विदेशों की तर्ज पर तब्दील कर दिया गया है लेकिन जिले के अफसरों को सरकारी अस्पतालों पर दूर तक भी भरोसा नहीं है। भले ही एडीएम सिटी का मुद्दा हो या फिर जीडीए ओ एस डी या फिर सी ओ सदर का ज्यादातर अधिकारी निजी अस्पतालों में अपना उपचार करवा रहे हैं। ताजा मामला के एमएमजी सरकारी अस्पताल से जुड़ा है। हैरत की बात ये है कि एमएमजी अस्पताल के मुखिया कोरोना संक्रमण की चपेट में आये तो उन्हें जीबी नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। माना जा रहा है कि यदि कोरोना की चपेट में आने वाले जनप्रतिनिधि और अफसर यदि अपना सरकारी अस्पतालों में इलाज कराये तो सरकारी अस्पतालों की बद से बदतर हालत उजागर हो। इसके लिए सरकार अथवा देश की सबसे बड़ी अदालत का आदेश जरूरी है। कोरोना संक्रमितों के उपचार के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से सभी प्रकार की व्यवस्थाएं की गई हैं। जिले में एल–1, एल–2 और एल–3 स्तर के अस्पताल हैं। इसके अलावा जिले के 10 निजी अस्पतालों में कोरोना संक्रमितों का उपचार किया जा रहा है। जिनके 20 प्रतिशत बेड स्वास्थ्य विभाग ने रिजर्व किए हैं। इसके बावजूद जिले से गंभीर मरीजों को रेफर किया गया। शासन स्तर से फटकार पड़ने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने मरीजों को मेरठ और दिल्ली रेफर करना बंद किया। प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग आम जनता के लिए भले ही जिले में सभी व्यवस्थाएं होने के दावे कर रहा है लेकिन, सरकारी अधिकारियों को ही सरकारी व्यवस्थाओं पर भरोसा नहीं है। जिले में कोरोना संक्रमण की शुरूआत में ही एक सरक. ारी डॉक्टर संक्रमित हुए थे, जिन्हें एल–2 कंबाइंड अस्पताल में भर्ती करके उपचार किया गया था। हालांकि उन्होंने अस्पताल में अव्यवस्थाओं की शिकायत शासन तक कर दी थी। पिछले दिनों जिले में तैनात कई अधिकारी कोरोना संक्रमण का शिकार हुए। सभी को निजी अस्पतालों में ही भर्ती करवाया गया। जिले में तैनात एडीएम भी कोरा. ना संक्रमित हुए, उन्हें कौशांबी के एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। फिलहाल वह संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। इसके अलावा जीडीए और पुलिस विभाग के भी कई अधिकारी संक्रमण का शिकार हुए, उन्हें भी निजी अस्पतालों में ही भर्ती करवाया गया। हालांकि कोरोना संक्रमित सिपाही स्तर कर्मचारियों को सरकारी अस्पतालों में भर्ती करवाया गया। सरकारी अस्पताल के प्रमुख डॉक्टर कोरोना संक्रमित पाए गए, उन्हें जीबी नगर के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी इस मामले में कुछ भी कहने से बच रहे हैं।

गाजियाबाद में प्रॉपर्टी खरीदने का अच्छा मौका, इस साल नहीं बढ़ेंगे सर्किल रेट

–उद्योग विहार (अगस्त 2020)– **गाजियाबाद**। गाजियाबाद में प्रॉपर्टी खरीदने की योजना बना रहे लोगों के लिए राहत की खबर है। गाजियाबाद जिले में इस साल सर्किल रेट नहीं बढ़ेंगे। आमतौर पर हर साल अगस्त में सर्किल रेट में वृद्धि की जाती है, मगर इस साल इसमें कोई परिवर्तन नहीं किया जा रहा है। फिलहाल सर्किल रेट पूर्व की तरह की जारी रहेंगे। गाजियाबाद जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने गुरुवार को जनपद के सर्किल रेट में परिवर्तन के संबंध में समीक्षा की। समीक्षा के दौरान कई पहलुओं पर चर्चा की गई। इसके बाद फैसला लिया गया कि वैश्विक महामारी कोरोना वायरस को देखते हुए इस साल सर्किल रेट में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा। उन्होंने सभी उपनिबंधकों को

आदेश दिए हैं कि उनके क्षेत्र में आने वाले सभी कृषि, गैर कृषि भूमि का न्यूनतम मूल्य, निर्माण दर का न्यूनतम मूल्य और एकल वाणिज्यिक भवनों में भूमि पर निर्माण की दरें वहीं लागू रहेंगी जो 2018 से प्रभावी हैं। इसके साथ ही वर्ष 2019 में जो भी संशोधित आदेश जारी किए गए थे, वहीं आदेश तथावत जारी रहेंगे। इसके साथ ही मोदीनगर क्षेत्र में कृषि भूमि के मामलों पर फैसला नियमानुसार अलग से लिया जाएगा। नए सर्किल रेट बढ़ाने के लिए आपत्ति मांगी जानी थी, लेकिन लॉकडाउन के चलते यह आपत्ति नहीं मांगी जा सकी। जिलाधिकारी के मुताबिक, कोरोना महामारी के मद्देनजर इस साल सर्किल रेट में किसी प्रकार की कमी या वृद्धि नहीं की जा रही है। इस संबंध में आदेश निबंधन विभाग को भेज दिए गए हैं।

LEGAL INFOSOLUTIONS PVT LTD.

❖LABOUR LAWS ❖HR MANAGEMENT

❖PAYROLL OUTSOURCING MANAGEMENT

❖SOCIAL AUDIT & COMPLIANCE'S)

http://www.legalipl.com

BE-243, G.F., Avantika, Ghaziabad- U.P.- 201002

The Ithum IT Park, Suite # 007, 3rd Floor, Tower C, Plot No. 40 A, Sector 62, Noida, 201301-U.P. India

9818036460

legalipl243@gmail.com

उद्योग विहार

निष्पक्ष गारिक रागाचार पत्र

Editorial 03 P.

E-mail : udyogviharnp@gmail.com

गाजियाबाद, अगस्त, 2020

सम्पादकीय

शिक्षा बनाम सुरक्षा

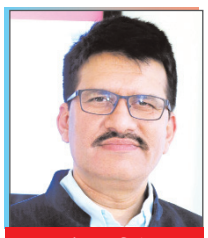

सत्येन्द्र सिंह

लगभग पांच महीने पहले जब कोरोना के संक्रमण के खतरे को देखते हुए देश भर में पूर्णबंदी लागू हुई, तभी से सभी शिक्षण संस्थान भी बंद हैं। हालांकि पिछले कुछ समय से चरणबद्ध तरीके से पूर्णबंदी में राहत दी जा रही है और धीरे–धीरे बाजार सहित कई क्षेत्र खुल रहे हैं, लेकिन अभी भी स्कूल–कॉलेज सहित अन्य वैसी जगहों को खोले जाने को लेकर कोई फैसला नहीं हुआ है, जहां बच्चों या फिर लोगों का जमावड़ा हो। खासतौर पर स्कूल और कॉलेज परिसरों में सामान्य दिनों में विद्यार्थियों के बीच जिस तरह पढ़ने–लिखने से लेकर खेलने–कूदने तक के मामले में एक दूसरे के साथ घुलना–मिलना होता है, उसमें यह कहना मुश्किल है कि अभी वहां वे संक्रमण से कितने सुरक्षित रह सकेंगे। स्कूली बच्चों में संक्रमण को लेकर वैसे भी ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत है, क्योंकि बचाव के नियमों को लेकर उनके बीच कई बार जाने–अनजाने असावधानी हो जा सकती है। शायद यही वजह है कि सरकार शिक्षण संस्थानों को फिर से खोलने को लेकर किसी हड़बड़ी में नहीं है। जाहिर है, सरकार कोरोना के संक्रमण से बच्चों के बचाव को प्राथमिक मान कर चल रही है और इस मामले में कोई जोखिम नहीं उठाना चाहती है। दरअसल, इतने लंबे समय से बंद पड़े स्कूल और सीमित स्तर पर चल रहे ऑनलाइन शिक्षण के बीच यह सवाल लोगों के बीच चर्चा का विषय बन रहा है कि आखिर यह सब कब तक चलेगा। इसमें कोई संदेह नहीं महामारी के चलते शिक्षा क्षेत्र को बेहद नुकसान पहुंचा है और समूची पढ़ाई–लिखाई की प्रक्रिया बुरी तरह बाधित हुई है। आम लोगों के बीच इस मसले पर काफी ऊहापोह है कि स्कूलों को अभी खोलना कितना सुरक्षित होगा। लेकिन सोमवार को आई खबरों में कहा गया है कि स्कूलों को फिर से खोलने के लिए फिलहाल कोई समय–सीमा तय नहीं की गई है या इस मसले पर कोई स्पष्टता नहीं है। इस संबंध में कोई फैसला इस बात पर निर्भर करेगा कि कोविड–19 महामारी का संक्रमण किस स्थिति में है। इसके बावजूद शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने सोमवार को एक संसदीय स्थायी समिति को बताया कि कॉलेजों और उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए वर्तमान शैक्षणिक वर्ष शून्य वर्ष यानी जीरो ईयर नहीं होगा और सत्र के आखिर में परीक्षाएं आयोजित हो सकती हैं। इससे यह संकेत भी मिलता है कि सरकार अपने दायरे में शिक्षण संस्थानों को खोलने या फिर अन्य विकल्पों पर विचार कर रही है, लेकिन महामारी के खतरे से निपटना उसकी प्राथमिक चिंता है। निश्चित रूप से स्कूल–कॉलेजों का बंद होने की अवधि का लंबा खिंचना किसी के लिए भी चिंता का विषय होगा। लेकिन कोरोना के संक्रमण की स्थिति आज भी जिस हालत में है, संक्रमितों की तादाद चिंताजनक है, उसमें इस बीमारी से बच्चों की सुरक्षा को लेकर कोई जोखिम नहीं लिया जाना चाहिए। यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि महामारी से बचाव के दौर में नियमित स्कूलों और कक्षाओं का विकल्प जिस तरह आनलाइन शिक्षण में खोजा जा रहा है, वह संसाधनों और सुविधाओं के मद्देनजर देश की एक बड़ी आबादी के लिए शायद प्रतिकूल साबित हो।

राम पर मोदी ने भाषण तो अद्भुत दिया, अगर आडवाणी पर भी बोलते तो अच्छा रहता

अयोध्या में राम मंदिर के भव्य भूमि–पूजन का कार्यक्रम अद्‌भुत रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण में जैसा पांडित्य प्रकट हुआ है, वह विलक्षण ही है। किसी नेता के मुंह से पिछले 60–70 साल में मैंने राम और रामायण पर इतना सारगर्भित भाषण नहीं सुना। मोदी ने भारतीय भाषाओं में राम के बारे में लिखे गए कई ग्रंथों के नाम गिनाए। इंडोनेशिया, कम्बोडिया, थाईलैंड, मलेशिया आदि कई देशों में प्रचलित रामकथाओं का जिक्र किया। राम के विश्व–व्यापी रूप का इतना सुंदर चरित्र–चित्रण तो कोई प्रतिभाशाली विद्वान और प्रखर वक्ता ही कर सकता है।

मोदी ने अपने भाषण में राम–चरित्र का वर्णन कितनी भाषाओंकृ देसी और विदेशीकृ के उद्धरण देकर किया है। सबसे ध्यान देने लायक तो यह बात रही कि उन्होंने एक शब्द भी ऐसा नहीं बोला, जिससे सांप्रदायिक सद्‌भाव को ठेस लगे। यह खूबी सरसंघचालक मोहन भागवत के भाषण में काफी अच्छे ढंग से उभरकर सामने आई।

उन्होंने राम को भारत का ही नहीं, सारे विश्व का आदर्श कहकर वर्णित किया। उन्होंने राम मंदिर आंदोलन के नेताओं श्री अशोक सिंहल, लालकृष्ण आडवाणी और संत रामचंद्रद. ास का स्मरण भी किया। यदि स्वयं मोदी लालकृष्ण आडवाणी, डॉ. मुरली मनोहर जोशी और अशोक सिंहल जैसे नेताओं का भी नाम लेते और उनका उपकर मानते तो उनका अपना कद काफी ऊंचा हो जाता।

यह तो श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की गंभीर भूल मानी जाएगी कि उन्होंने आडवाणीजी से यह भूमि–पूजन नहीं करवाया और उन्हें और जोशीजी को अयोध्या आने के लिए विवश नहीं किया। मैं तो यह मानता हूं कि इस राम मंदिर परिसर में कहीं अशोक सिंहलजी और लालकृष्ण आडवाणीजी की भी भव्य प्रतिमाएं सुशोभित होनी चाहिए। अशोकजी असाधारण व्यक्तित्व के धनी थे। एश्वर्यशाली परिवार में पैदा होने पर भी उन्होंने एक अनासक्त साधु का जीवन जिया और लालजी ने यदि भारत–यात्रा का अत्यंत लोकप्रिय आंदोलन नहीं चलाया होता तो भाजपा क्या कभी सत्तारुढ़ हो सकती थी?

अपने बड़ों का सम्मान करना रामभक्ति का, राम–मयार्दा का ही पालन करना है। यह खुशी की बात है कि कांग्रेस के नेताओं ने इस मौके पर उच्चकोटि की मयार्दा का पालन किया। उन्होंने राम मंदिर कार्यक्रम का स्वागत किया। यदि इस कार्यक्रम में 36 संप्रदायों के 140 संतों को बुलाया गया था तो देश के 30–35 प्रमुख राजनीतिक दलों के नेताओं को क्यों नहीं

बुलाया गया ? राम मंदिर का ताला खुलवाने वाले राजीव गांधी की पत्नी सोनिया गांधी मंच पर होतीं तो इस कार्यक्रम में चार चांद लग जाते। दुनिया को पता चलता कि राम सिर्फ भाजपा, सिर्फ हिंदुओं और सिर्फ भारतीयों के ही नहीं हैं बल्कि सबके हैं।

जानिए क्या होती है ब्लड प्रेशर रीडिंग और इसे कैसे नापें

जब कभी व्यक्ति की तबियत खराब होती है और वह डॉक्टर के पास जाता है तो डॉक्टर सबसे पहले उसका ब्लड प्रेशर अवश्य नापते हैं। आपने भी कई बार ब्लड प्रेशर रीडिंग करवाई होगी। हाई ब्लड प्रेशर के बारे में पता लगाने के लिए भी ब्लड प्रेशर रीडिंग का बेहद महत्व होता है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि ब्लड प्रेशर रीडिंग को किस तरह मापा जाता है और इसकी मदद से कैसे ब्लड प्रेशर के हाई या लो होने का पता चलता है। अगर नहीं तो आज इस लेख में हम आपको ब्लड प्रेशर रीडिंग के बारे में विस्तृत जानकारी दे रहे हैं.

नंबरों का अर्थ : कार्डियोलॉजिस्ट अर्थात् हृदय रोग विशेषज्ञ बताते हैं कि ब्लड प्रेशर रीडिंग को दो संख्याओं के साथ माप के रूप में व्यक्त किया जाता है। जिसमें एक संख्या शीर्ष पर और एक बॉटम पर होती है। उदाहरण के लिए, 120/80 मिमी एचजी। शीर्ष संख्या आपके हृदय की मांसपेशियों के संकुचन के दौरान आपकी धमनियों में दबाव की मात्रा को संदर्भित करती है। इसे सिस्टोलिक प्रेशर कहते हैं। वहीं, नीचे की संख्या आपके रक्तचाप को संदर्भित करती है जब आपके दिल की मांसपेशी धड़कनों के बीच होती है। इसे डायस्टोलिक दबाव कहा जाता है। दोनों संख्याएं आपके हृदय स्वास्थ्य की स्थित कि निर्धारण करने में महत्वपूर्ण हैं। डॉक्टरों के अनुसार, अगर रीडिंग के दौरान आदर्श सीमा से अधिक संख्याएं हों तो इसका अर्थ है कि आपका दिल आपके शरीर के बाकी हिस्सों में रक्त पंप करने के लिए बहुत मेहनत कर रहा है।

रक्तचाप की श्रेणियां : अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन द्वारा मान्यता प्राप्त पांच रक्तचाप रेंज हैं। ब्लड प्रेशर रीडिंग के दौरान नंबरों के आधार पर उसे अलग.अलग श्रेणी में रखा जा सकता है।

सामान्य : हृदय रोग विशेषज्ञ के अनुसार, 120ध्80 मिमी एचजी से कम रक्तचाप की संख्या को सामान्य सीमा के भीतर माना जाता है। यदि आपके परिणाम इस श्रेणी में आते हैं, तो इसका अर्थ है कि आपका हृदय स्वस्थ तरीके से काम कर रहा है। हालांकि डॉक्टर कहते हैं कि संत. ुलित आहार का पालन करने और नियमित व्यायाम करने जैसी हृदय.स्वस्थ आदतों को अपनाने से आप लंबे समय तक अपने हृदय को स्वस्थ्य रख सकते हैं।

एलिवेटिड : डॉक्टर बताते हैं कि यह स्थिति तब होती है, जब रीडिंग लगातार 120.129 सिस्टोलिक और 80 मिमी एचजी डायस्टोलिक से कम होती है। इस तरह की रीडिंग जिन लोगों में लगातार आती है, उन्हें उच्च रक्तचाप विकसित होने की संभावना रहती है। इस अवस्था में स्थिति को नियंत्रित करने के लिए समय पर कदम उठाना बेहद आवश्यक है।

उच्च रक्तचाप चरण 1 : उच्च रक्तचाप चरण 1 तब होता है जब रक्तचाप लगातार 130.139 सिस्टोलिक या 80.89 मिमी एचजी डायस्टोलिक से होता है। उच्च रक्तचाप के इस स्तर पर, डॉक्टरों को जीवनशैली में बदलाव की संभावना होती है और साथ ही इस अवस्था में दिल के दौरे या स्ट्रोक जैसे हृदय रोग की संभावना अधिक होती है, इसलिए अधिकतर मामलों में डॉक्टर व्यक्ति को कुछ दवाएं लेने की सलाह भी देते हैं।

उच्च रक्तचाप स्टेज 2 : उच्च रक्तचाप चरण 2 तब होता है जब रक्तचाप लगातार 140/90 मिमी एचजी या अधिक होता है। डॉक्टर बताते हैं कि उच्च रक्तचाप के इस स्तर पर, डॉक्टरों को रक्तचाप दवाओं के साथ.साथ जीवन शैली में बदलाव करने की आवश्यकता होती है।

आखिरी स्टेज : यह एक बेहद गंभीर चरण है। उच्च रक्तचाप के इस चरण में चिकित्सीय इलाज की जरूरत पड़ती है। कार्डियोलॉजिस्ट के अनुसार, यदि आपका रक्तचाप रीडिंग अचानक 180/120 मिमी एचजी से अधिक हो गया है, तो पांच मिनट प्रतीक्षा करें और फिर अपने रक्तचाप का परीक्षण करें।

यदि आपकी रीडिंग असामान्य रूप से अधिक है, तो बिना देर किए तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करें। इस स्थिति में आप सीने में दर्द, सांस की तकलीफ, पीठ दर्द, सुन्नताध्कमजोरी, दृष्टि में बदलाव या बोलने में कठिनाई हो सकती है। इस अवस्था में ब्लड प्रेशर के खुद ब खुद कम होने का इंतजार ना करें। तुरंत चिकित्सीय हेल्प लें।

TAKSHAK
MANAGEMENT INDIA PVT LTD

EVENTS MANAGEMENT
PR MANAGEMENT
ARTISTS MANAGEMENT

http://www.takshakindia.com

BE-243, G.F., Avantika, Ghaziabad- U.P.-201002
The Ithum IT Park, Suite # 007, 3rd Floor, Tower C,
Plot No. 40 A, Sector 62, Noida, 201301-U.P. India
9818036460
takshakindia@gmail.com

उद्योग विहार

निष्पक्ष गारिक सागाचार पत्र

04 P.

E-mail : udyogviharnp@gmail.com

गाजियाबाद, अगस्त, 2020

सुदीक्षा भाटी मौत मामला

पुलिस को जाट लिखी काली बुलेट की तलाश, अब तक 40 बुलेट मालिकों से हुई पूछताछ

–उद्योग विहार (अगस्त 2020)–

ग्रेटर नोएडा। अमेरिका में पढ़ाई कर रही ग्रेटर नोएडा की छात्रा सुदीक्षा भाटी की मौत के बाद बुलंदशहर पुलिस अब 'जाट' लिखी काले रंग की बुलेट मोटरसाइकिल की तलाश कर रही है। पुलिस का मानना है कि बुलेट का पता चलते ही आरोपियों तक पहुंचना आसान हो जाएगा। अभी तक करीब 40 बुलेट मालिकों को बुलाकर पूछताछ की जा चुकी है।

अमेरिका में पढ़ाई संग पार्ट टाइम जॉब कर परिवार की मदद करती थी सुदीक्षा

सुदीक्षा की मौत पर हुए हंगामे के बाद पुलिस द्वारा बुलेट मोटरसाइकिल का पता लगाने के लिए अभियान शुरू किया गया है। बुलेट सवारों की गिरफ्तारी के लिए क्राइम ब्रांच समेत पांच पुलिस टीमों को लगाया गया है। पुलिस द्वारा सीसीटीवी फुटेज की जांच में काले रंग की बुलेट मोटरसाइकिल पर दो युवकों के होने का पता चला है। यह भी पता चला है कि बुलेट मोटरसाइकिल की नंबर प्लेट पर 'जाट' लिखा हुआ था।

इसके बाद से पुलिस द्वारा औरंगाबाद, खानपुर समेत आसपास क्षेत्र के सभी बुलेट मोटरसाइकिल मालिकों

को अपना वाहन लेकर थाने पर आने के लिए कहा गया है। अभी तक करीब 40 बुलेट मालिकों को बुलाकर पूछताछ की जा चुकी है। इसके अलावा बुलेट मालिकों की मोबाइल लोकेशन की भी जांच की जा रही है।

काले रंग की बुलेट और उस पर सवार लोगों की तलाश में अभियान चलाया जा रहा है। किसी निर्दोष का उत्पीड़न नहीं किया जाएगा। लोगों को खुद सामने आकर जांच में सहयोग करना चाहिए। -संतोष कुमार सिंह, एसएसपी

सुदीक्षा भाटी की पैतृक गांव में लगाई जाएगी उनकी प्रतिमा

ग्रेटर नोएडा। दादरी के डेरी स्कनर गांव निवासी व क्षेत्र की प्रतिभाशाली छात्रा सुदीक्षा भाटी की दुर्भाग्यपूर्ण हुई सड़क दुर्घटना में मौत के बाद समाजवादी पार्टी के जिला प्रवक्ता व अखिल भारतीय वीर गुर्जर महासभा के जिलाध्यक्ष श्याम सिंह भाटी ने एडवोकेट मेधावी छात्रा सुदीक्षा भाटी की स्मृति में उनके पैतृक गांव डेरी स्कनर में अपने निजी खर्च से प्रतिमा लगाने की घोषणा की। इस मौके पर श्याम सिंह भाटी ने कहा कि सुधीक्षा भाटी क्षेत्र और समाज का गौरव थी। विपरीत परिस्थितियों में अपनी मेहनत और लगन से विदेश में शिक्षा की लिए स्कॉलरशिप प्राप्त करने वाली सुधीक्षा भाटी सभी के लिए आदर्श एवं प्रेरणा स्रोत है। उनकी प्रतिमा लगाकर तथा उनके संघर्षशील जीवन की कहानी को भी संजोया जायेगा। जिस से आने वाली पीढ़ियां सुदीक्षा भाटी से प्रेरणा लेकर पढ़ाई के क्षेत्र में आ गए बढ़ सके। श्याम सिंह भाटी ने कहा की सुदीक्षा भाटी का असमय समाज के बीच से चले जाना समाज के लिए बहुत बड़ी क्षति है ऐसी प्रतिभाएं समाज में कभी–कभी जन्म लेती हैं इसलिए उन्होंने निर्णय लिया है कि उनकी प्रतिमा गांव में लगाई जाए।

ढाई करोड़ खर्च के बाद भी सफेद हाथीं बना विद्युत शवदाह गृह

–उद्योग विहार (अगस्त 2020)–

गाजियाबाद। सरकारी पैसे को कैसे ठिकाने लगाया जाता है,इसका सबसे बडा उदाहरण मोक्ष स्थल पर केंद्र सरकार से प्राप्त बजट से लगाया गया विद्युत शवदाह गृह है। मौजूदा में जब दुनिया में महामारी का रूप धारण किए कोरोना से मर रहे है,ऐसे में विद्युत शवदाह गृह सफेद हाथीं साबित हो रहा है। जिस गाजियाबाद विकास प्राधिकरण जीडीए के द्वारा इस विद्युत शवदाह गृह को तैयार कराया,अब प्राधिकरण के अधिकारी भी कुछ भी बोलते हुए कतरा रहे है। हालांकि नगर निगम के विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता मनोज प्रभात ने उम्मीद जतायी कि जल्द विद्युत शवदाह गृह को चालू करा दिया जाएगा। यहां बता दे कि जीडीए के द्वारा करीब ढाई करोड के बजट से इस विद्युत शवदाह गृह को तैयार कराया गया था। एक लंबे समय तक जीडीए नगर निगम के पीछे इस आश्य से दौड लगाता रहा कि किसी भी तरह से विद्युत शवदाह गृह निगम के हैंड ओवर हो जाए। कोरोना से डेथ बढते ही आनन फानन में निगम ने विद्युत शवदाह गृह चालू किया तो वह धोखा दे गया। नगर निगम भी उस वक्त मुश्किल में आ गया, जब एक मृतक की बाडी करीब 18 घंटे तक विद्युत शवदाह गृह में अटकी रही। राज्य सभा सदस्य अनिल अग्रवाल की नाराजगी के बाद जैसे तैसे विद्युत शवदाह गृह चालू किया गया।

पूर्व सांसद सुरेंद्र प्रकाश गोयल का निधन, कोरोना से थे संक्रमित

–उद्योग विहार (अगस्त 2020)–

गाजियाबाद। गाजियाबाद के पूर्व सांसद सुरेंद्र प्रकाश गोयल की कोरोना संक्रमण से निधन हो गई। पूर्व सांसद 27 जुलाई को कोरोना संक्रमित हो गए थे और उन्हें उपचार के लिए दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां शुक्रवार सुबह साढ़े छह बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। पूर्व सांसद के निधन की पुष्टि उनके पुत्र सुशांत गोयल ने की है।

सुरेंद्र प्रकाश गोयल 79 वर्ष के थे। वह गाजियाबाद नगर पालिका के अध्यक्ष, विधायक एवं सांसद के रूप में कई बार निर्वाचित हुए थे। सुरेंद्र गोयल कांग्रेस के टिकट पर साल 2004 में संसद पहुंचे थे। उन्होंने भाजपा के रमेश चंद तोमर को हराया था। निधन की खबर मिलते ही कांग्रेसी नेताओं में शोक की लहर दौड़ गई है।

कांग्रेस की राजनीति करते हुए पहली बार वह 1972 में नगर पालिका

गाजियाबाद के सदस्य के रुप में चुने गए थे। 1973 में नगर पालिका के चेयरमैन बने और फिर 1989 में भी चेयरमैन बने। 2002 में शहर से विधायक चुने गए। साल 2004 में पहली बार कांग्रेस से सांसद चुने गए। केंद्र में कांग्रेस की सरकार रहते हुए शहर के लिए कई विकास कार्य करवाने का श्रेय उन्ही को जाता है।

दुकानों के बाहर से गोल घेरे मिटे, रस्सियां हटी

–उद्योग विहार (अगस्त 2020)–

गाजियाबाद। कोराना के चलते ठप पड़े कारोबार को चलाने के लिए सरकार ने अनलॉक कर शर्त बाजार खोलने एवं लोगों की आवाजाही को प्रारंभ कर दी। अनलॉक की शुरूआत में तो दुकानदार व ग्राहक भी पालन करते नजर आए। इसके लिए दुकानों के बाहर गोल घेरे पेंटस से बनावाए गए। कारण ग्राहकों की भीड़ न एकत्रित हो और सोशल डिसटेंस का पालन होता रहे। यही नहीं दुकानों से फासला बनाए रखने के लिए दुकानों के बाहर रस्सियां भी बांधी गई थी जिससे ग्राहक और दुकानदारों में दूरी बनी रहे, लेकिन अब घेरे भी मिट गए और रस्सियां भी हट गई। ग्राहक एवं दुकानदार दोनों ही कोराना संक्रमण से बेपरवाह नजर आ रहे है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर नगर के बाजारों में स्थित दुकानों पर ग्राहकों की चहल पहल अधिक नजर आई इसके साथ ही लापवाही भी देखने को मिली। दुकानों रस्सियां न बंधी न होने से दुकानों के अंदर तक ग्राहक घुसे नजर आए। किराने की दुकान हो या कपडे की ग्राहक आपस में मिलकर खडे नजर आए। ग्राहकों के बीच में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं किया जा रहा है। दुकानों में लोग सामन खरीद रहे थे।

क्या पीएम, सीएम से बड़े हैं खोड़ा के ईओ भड़ाना?

ईओ भड़ाना व उनके चार गुर्गों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज, जांच एडीएम सिटी को सौंपी गई

–उद्योग विहार (अगस्त 2020)–

गाजियाबाद। खोड़ा नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी केके भड़ाना एक बार फिर सुर्खियों में आ गये हैं। खोड़ा नगर पालिका बोर्ड की बैठक में उस समय हंगामा हो गया जब कवरेज करने गये एक राष्ट्रीय दैनिक अखबार के पत्रकारों के साथ केके भड़ाना के इशारे पर उनके गुर्गों ने धक्का मुक्की की और अभद्रता की। इसका विरोध करने व समाचार प्रकाशित करने पर केके भड़ाना का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। आरोप लगाये जा रहे हैं कि उसके बाद उस समाचार पत्र के कार्यालय में तोड़फोड व आगजनी कराई। साथ ही पत्रकारों के खिलाफ थाने पर अपने गुर्गों से धरना प्रदर्शन कराया।

गाजियाबाद में पत्रकार विक्रम जोशी हत्याकांड को लेकर जिला प्रशासन पहले से ही सजग है और खोड़ा के ईओ केके भड़ाना का मामला सामने आते ही जिलाधिकारी अजय शंकर पांडे ने तत्काल ही सतर्कता बरतते हुए इस मामले की जांच एडीएम सिटी को सौंप दी है।

पीएम, सीएम से भी बड़े हैं भडाना?

लोकतंत्र में पत्रकारिता को चौथा स्तम्भ कहा गया है और इसकी जिम्मेदारी समाज की गैरकानूनी बातों को उजागर करना है। कई बार प्रधानमंत्री के खिलाफ भी खबरें चलाई जातीं हैं तो प्रधानमंत्री पत्रकार के खिलाफ सख्त कदम तो नहीं उठाते न ही इस तरह की हरकत करते हैं। दूसरी ओर कोरोना काल में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्पष्ट कर चुके हैं कि किसी भी अधिकारी व कर्मचारी को धरना प्रदर्शन करने का अधिकार नहीं है। तो फिर केके भडाना ने अपने समर्थकों से थाने में धरना प्रदर्शन कैसे कराया? इस पर पत्रकारों ने कार्रवाई करने की मांग की है।

केके भडाना पर पहले भी लग चुके हैं गंभीर आरोप

केके भडाना पर भ्रष्टाचार के आरोप अनेकों बार लग चुके हैं और इसके अलावा उन पर एक बार तो खोड़ा नगरपालिका की चेयरमैन रीना भाटी को पिस्टल दिखा कर दंबगई करने का आरोप लगा था। इस मामले में उनके खिलाफ 307 का मामला दर्ज हुआ था और उन्हें जेल भी जाना पड़ा था। यही नहीं एक बार जिलाधिकारी द्वारा ली जा रही गंभीर बैठक में केके भडाना ने अभद्रता की थी जिसको लेकर जिलाधिकारी ने भरी मीटिंग में कड़ी फटकार लगाई थी और उन्हें मीटिंग से बाहर कर दिया था।

केके भडाना सहित चार लोगों पर केस दर्ज

सोमवार को खोड़ा नगरपालिका बोर्ड की बैठक में पत्रकारों के साथ धक्का मुक्की कराने में अधिशासी अधिकारी के के भड़ाना, रविंदर भड़ाना, गजेंद्र सिंह, पवन बघेल के खिलाफ खोड़ा थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। इस मामले की जांच डीएम के निर्देश पर एडीएम सिटी करेंगे।

मै. लीगल इन्फोशोल्यूशन्स प्रा0लि0, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक **"सत्येन्द्र सिंह"** द्वारा मै. बी.एफ.एल. इन्फोटैक लि. प्रेस, सी–9, सैक्टर–3, नोएडा से छपवाकर बी.ई.–243, (ग्राउण्ड फ्लोर) अवन्तिका, गाजियाबाद से प्रकाशित किया।

फोन : 0120–4122901/4108794 **मोबाइल नं. :** 9818036460/9818697406 **E-mail :** udyogviharnp@yahoo.com **संस्थापक :** शीतला प्रसाद सिंह **प्रधान सम्पादक :** सत्येन्द्र सिंह **सम्पादक :** बबिता सिंह **सह सम्पादक :** राजेश सिंह